

[श्री मनसुख एल. मांडविया]

होकर अपने हक के लिए आंदोलन करने लगे। जब वे लोग आंदोलन करने लगे, तो धीरे-धीरे असमानता और बढ़ गई। वहां बड़े-बड़े उद्योग किसकी मेहनत से बने? वहां पर बड़े-बड़े उद्योगपति कैसे बने, क्यों बने?...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Mandaviya, you can continue afterwards. I want to take the sense of the House. It is already 5 o'clock. There are one or two Special Mentions left. We will take up the Special Mentions now and then adjourn the House. Shri Mandaviya, you can continue your speech on the next day of the Resolution.

SHRI MANSUKH L. MANDAVIYA: Okay, Sir. Thank you.

SPECIAL MENTIONS — Contd.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we will take up Special Mentions. Shri M.P. Achuthan. He is not present. Shri C.M. Ramesh. He is not present. Shrimati Kusum Rai. She is not present. Chaudhary Munabbar Saleem.

**Demand to take steps to check release of pollutants in the river
Ganga and make strict laws to protect the sacred river**

चौधरी मुनब्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं आज देश के महान सदन में एक ऐसी पाकिज़ा नदी की दर्दनाक कहानी बयां करना चाहता हूं, जो देश की सभ्यता, संस्कृति, आस्था और सम्मान की प्रतीक है। मैं उस गंगा की बात करना चाहता हूं, जिसे हिन्दुस्तान की बड़ी आबादी माँ के रूप में पूजती है, जो हिमालय की ऊंचाइयों से पाकिज़ा जमीन पर गिरती है और उसे देशवासी अपने स्वार्थ के लिए नापाक या गन्दा कर रहे हैं।

मैं 3 फरवरी को गंगा तट पर, गंगा की पवित्रता पर आयोजित गोष्ठी में गया था और मैंने शंकराचार्य जी के आश्रम में लोगों के मन में गंगा की अशुद्धता को लेकर जो कष्ट देखा है, उसी से प्रभावित होकर मैं इस महान सदन से यह उम्मीद करता हूं कि गंगा सहित देश की नदियों को गन्दा करने वालों के विरुद्ध संविधान संशोधन करके एक मजबूत क़ानून आना चाहिए तथा गंगा सहित देश की सभी नदियों से ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा एक षडयंत्र के तहत जोड़े गए गन्दे नालों पर रोक लगा कर फिल्टर प्लांट्स लगाए जाएँ। मुझे उम्मीद है कि इस सदन में बैठे हुए सदस्य, स्वास्थ्य और आस्था को दृष्टिगत रखते हुए दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर इस प्रस्ताव को भारत सरकार से स्वीकार कराने में मेरी मदद करेंगे।

अतः मेरी मांग है कि सरकार गंगा के संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाए।

† [چودھری منور سلیم (اثر پردیش) : مائٹے اپ سبھا پتی مہودے، میں آج دیش کے مہان سدن میں ایک ایسی پاکیزہ ندی کی دررناک کہانی بیان کرنا چاہتا ہوں، جو دیش کی سبھیتا، سنسکرتی، آستھا اور سمان کی پرتیک ہے۔ میں اس گنگا کی بات کرنا چاہتا ہوں، جسے ہندوستان کی بڑی آبادی 'ماں' کے روپ میں پوجتی ہے، جو ہمالیہ کی اونچائیوں سے پاکیزہ زمین پر گرتی ہے اور اسے دیش-واسی اپنے سوارتھ کے لئے ناپاک یا گندا کر رہے ہیں۔

میں 3 فروری کو گنگا-تٹ پر، گنگا کی پوترتا پر آیوجت گوشٹھی میں گیا تھا اور میں نے شنکر آچاریہ جی کے آشرم میں لوگوں کے من میں گنگا کی اشڈھتا کو لے کر جو کشٹھ دیکھا ہے، اسی سے پرہاوت ہوکر میں اس مہان سدن سے یہ امید کرتا ہوں کہ گنگا سہت دیش کی ندیوں کو گندا کرنے والوں کے وردھ سنودھان سنشودھن کرکے ایک مضبوط قانون آنا چاہئے اور گنگا سہت دیش کی سبھی ندیوں سے برٹش سامراجیہ دوارا ایک شڑینتر کے تحت جوڑے گئے گندے نالوں پر روک لگا کر فلٹر پلانٹس لگانے جائیں۔ مجھے امید ہے کہ اس سدن میں بیٹھے ہوئے سدسنے، سوامتھ اور آستھا کو درشتی-گت رکھتے ہوئے دلگت راجنیتی سے اوپر اٹھ کر اس پرستاؤ کو بھارت سرکار سے سوپکار کرانے میں میری مدد کریں گے۔

اسلئے میری مانگ ہے کہ سرکار گنگا کے سنرکشن کی دشا میں ٹھوس قدم اٹھائے۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Parimal Nathwani. He is not present. Shri B.S. Gnanadesikan. He is not present. Shri K.N. Balagopal. He is not present. Shri Sanjay Raut. He is not present. Shri Vijay Jawaharlal Darda. He is not present. Shri T.K. Rangarajan. He is not present. Shri Y.S. Chowdary. He is not present. The House is adjourned till 11.00 a. m. on Monday the 4th March, 2013.

The House then adjourned at three minutes past five of the clock till eleven of the clock on Monday, the 4th March, 2013.

† [Transliteration in Urdu Script.